समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

बेगंलुरु मेट्रो मे तंकनीकी खराबी से हड़कंप : हजारों यात्री फंसे, ट्रकों मे बैठकर घर पहुंचे लोग ; तेजस्वी सूर्या ने सरकार पर साधा निशाना

Sanket Morankar

Published on 24 Jun 2026

भारत की आईटी राजधानी बेंगलुरु में मंगलवार शाम ऑफिस से घर लौट रहे हजारों लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, जब बेंगलुरु मेट्रो की पर्पल लाइन पर अचानक तकनीकी खराबी आ गई। पीक ऑवर के दौरान हुई इस गड़बड़ी से मेट्रो सेवाएं प्रभावित हो गईं और कई स्टेशनों पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं।

स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बड़ी संख्या में यात्रियों को ट्रकों, लॉरियों और अन्य मालवाहक वाहनों में बैठकर घर लौटना पड़ा। सोशल मीडिया पर वायरल हुए इन वीडियो ने शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीक ऑवर में ठप हुई मेट्रो सेवा

जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम करीब **6:30 बजे** क्यूब्बन पार्क मेट्रो स्टेशन पर पर्पल लाइन की एक ट्रेन में तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते व्हाइटफील्ड और शहर के प्रमुख इलाकों को जोड़ने वाली मेट्रो सेवा अचानक बाधित हो गई।

यह खराबी ऐसे समय हुई जब बड़ी संख्या में आईटी कंपनियों के कर्मचारी अपने कार्यालयों से घर लौट रहे थे। ट्रेनें रोक दी गईं और कई यात्रियों को बीच रास्ते में ही उतरने के निर्देश दिए गए।

स्टेशन से बाहर उमड़ी भीड़

मेट्रो सेवा बाधित होने के बाद हजारों यात्री स्टेशनों से बाहर निकल आए और वैकल्पिक परिवहन की तलाश में सड़कों पर उतर गए।

कैब और ऑटो सेवाओं पर अचानक अत्यधिक दबाव बढ़ गया। कई यात्रियों को न तो कैब मिली और न ही ऑटो, जिसके चलते लोगों ने मजबूरी में ट्रकों, लॉरियों और अन्य निजी वाहनों का सहारा लिया।

शहर के कई हिस्सों में भारी ट्रैफिक जाम भी देखने को मिला।

ट्रकों में सफर करते दिखे आईटी प्रोफेशनल

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कई आईटी प्रोफेशनल्स और अन्य यात्री ट्रकों तथा मालवाहक वाहनों में बैठकर घर जाते हुए दिखाई दिए।

इन तस्वीरों और वीडियो ने इंटरनेट पर व्यापक चर्चा छेड़ दी। लोगों ने सवाल उठाया कि देश के सबसे बड़े तकनीकी शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था इस तरह चरमरा जाना बेहद चिंताजनक है।

तेजस्वी सूर्या का राज्य सरकार पर हमला

घटना के बाद बेंगलुरु दक्षिण से बीजेपी सांसद **तेजस्वी सूर्या** ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा—

> "पहली दुनिया का तकनीकी कौशल और तीसरी दुनिया जैसा शासन—आज का बेंगलुरु यही कहानी बयां कर रहा है।"

उन्होंने कहा कि मेट्रो सेवाओं में लगातार तकनीकी गड़बड़ियां होना अब सामान्य बात बन गई है। हर बार मेट्रो रुकते ही पूरा शहर अव्यवस्था में डूब जाता है।

सूर्या ने कहा कि मंगलवार को हजारों मेहनतकश कर्मचारियों को ट्रकों और लॉरियों में बैठकर घर जाना पड़ा, जबकि अगले दिन उन्हें फिर कार्यालय जाना होगा, टैक्स देना होगा और उसी बदहाल व्यवस्था का सामना करना पड़ेगा।

आईटी कॉरिडोर सबसे ज्यादा प्रभावित

पर्पल लाइन बेंगलुरु के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है, जो शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों और व्हाइटफील्ड स्थित आईटी हब को जोड़ती है।

तकनीकी खराबी के कारण विशेष रूप से आईटी सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी।

कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराज़गी जाहिर करते हुए कहा कि मेट्रो शहर की जीवनरेखा बन चुकी है और इस तरह की लगातार घटनाएं लोगों की दिनचर्या को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं।

देर रात तक चला मरम्मत कार्य

बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (BMRCL) के अधिकारियों के अनुसार तकनीकी खराबी दूर करने का कार्य पूरी रात जारी रहा।

कुछ समय बाद एमजी रोड और व्हाइटफील्ड के बीच सीमित सेवाएं बहाल कर दी गईं, लेकिन कई स्टेशनों पर भीड़ और देरी बनी रही।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह करीब **5 बजे** तक तकनीकी समस्या पूरी तरह दूर कर दी गई और इसके बाद पर्पल लाइन पर सभी सेवाएं सामान्य रूप से शुरू कर दी गईं।

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर उठे सवाल

इस घटना ने एक बार फिर बेंगलुरु की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नागरिकों और विपक्षी दलों का कहना है कि आईटी राजधानी होने के बावजूद शहर का परिवहन ढांचा लगातार दबाव में है और बार-बार होने वाली तकनीकी खराबियां यात्रियों के लिए बड़ी समस्या बन चुकी हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए मेट्रो नेटवर्क के रखरखाव, तकनीकी निगरानी और आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न बने।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.